TWENTY FIVE NAYE PAISE

Date of application for the copy.	Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	Date of delivery of the requisite stamps and folios.	Date on which the copy was ready for delivery.	Date of making over the copy to the applicant.
૧૬-૪-૬૯	૧૭-૪-૬૯	૧૭-૪-૬૯	૨૩-૪-૬૯	૨૩-૪-૬૯



प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारीख Date of application for the copy.	स्टाम्प और फीसों की अपेक्षित संख्या सूचित करने की तिथि Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और फीसों देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	तारीख, जबकि देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant.
26/10/97 03/11/97	—	—	—	17/12/97

अवर अभिलेखागार सर्वेक्षण अधिकारी कार्यालयों एवं संस्था अभिलेख का
प्रतिवेदन सम्बन्धित जानकारी प्राप्त होने पर। Circular - 111/4 1996-97

निर्णयादेश-पत्रक

03/01/97 - श्री विनोद कुमार पिता श्री [illegible] जाति [illegible] निवासी [illegible] द्वारा [illegible] के विरुद्ध [illegible] के अन्तर्गत [illegible] के सम्बन्ध में अभिलेखीय जानकारी प्राप्त करने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है ——

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उपलब्ध	303	934	2303	0.3 x 80

पूरा आवेदन-पत्र ध्यानपूर्वक पढ़ने से संस्था अभिलेख के अध्ययन से आवेदित हेतु कहे हैं। अवलोकन एवं प्रतिलिपि प्राप्त करने की तारीख की सूचना दी जाय।
आवेदित रजिस्टर 21.1.97 को उपलब्ध करें। ——

निरीक्षण हमें पूर्ण किया।
हस्ताक्षर
संस्था अभिलेखागारी

हस्ताक्षर
संस्था अभिलेखागारी

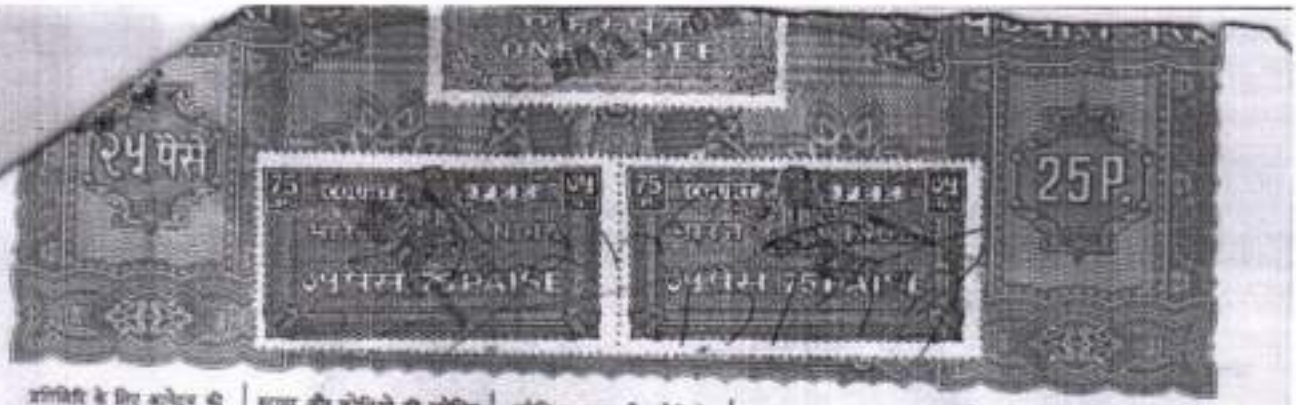
21/1/97 - अवलोकन एवं प्रतिलिपि संबंधित प्रकरण में कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। अभिलेखीय संस्था अभिलेख के अध्ययन हेतु प्रस्तुत है। आवेदित के नाम दर्शाकर रजिस्टर वापस करते हुए अनुरोध किया है। आवेदक के अनुरोध के अनुसार एवं दर्शाकर रजिस्टर वापस किया जाता है।

निरीक्षण हमें पूर्ण किया।
हस्ताक्षर
संस्था अभिलेखागारी

हस्ताक्षर
संस्था अभिलेखागारी

17/12
विनोद कुमार 17.12.97

[illegible]
17/12/97
17/12



प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारीख Date of application for the copy.	स्टाम्प और फोलियो की अपेक्षित संख्या सूचित करने की नियोजित तारीख Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और फोलियो देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	तारीख, जबकि देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant.
7/10/97	—	—	—	17/12/97

उपखण्ड अधिकारी बाड़मेर अभिलेखागार

रजवाड़ा - मारवाड़ - जागीर परगना अनुसार - पटवारी सिरायत - परगना

उपखण्ड अधिकारी केलाश - 111/96-97

गाँव - सेतरावां परगना - Gamnagar तहसील - II

खेड़ा खसरा नं. / खातेदारी - .

खेड़ा खसरा नं. का नाम - . . . तौजीनं - 303 हदबस्ती . . . .

पटवार - . . . . . तौजी . . . . . तहसीलनं - 16

चालू का रोजनामचा

पुराने खेड़ा खसरा नं. का नाम एवं नया	जमाबन्दी	किस्तवार	रकबा	लगान		मन्तव्य
श्री विश्वकर्मा मिट्टी बर्तन सोहराम मेघा जात - सेतरावां - परगना	934	2303	0-35	रु 40	पै 4.00	रेकार्ड रेखाचित्र उपलब्ध नहीं

बन्द की रोजनामचा

2	-	-	—	—		सेतरावां बिक्रीकर थाना - 2 कुछ नहीं के लिये दर्ज कुछ है उपखण्ड अधिकारी के पास पुराना बाड़मेर में है उपखण्ड कार्यालय में है उपखण्ड अधिकारी बाड़मेर के पुराना. इसे तहसील बिल्डर से लेकर दें

अन्तर खेड़ा खसरा नं.

अन्तर खेड़ा खसरा नं. का नाम एवं नया	जमाबन्दी	किस्तवार	रकबा	लगान		मन्तव्य
श्री विश्वकर्मा मृत्तिका मिट्टी बर्तन Law शाखा सरकार मिट्टी - सेतरावां बिक्रीकर कोलोनाइजर कोलोनाइजर हाउस, परगना	934	2303	0-35	रु 4.00	पै	रेखाचित्र उपलब्ध नहीं

चालू रेखा रेखाचित्र

17/12/97

17/12

17/12

17/12



प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारीख Date of application for the copy.	स्टाम्प और चोलियों की अपेक्षित संख्या पूर्ण करने की निर्धारित तारीख Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और चोलियों देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	प्रतिलिपि तैयार होने की तारीख Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant.
CMN-07 1/4/03				

न्यायालय अपर जिला मजिस्ट्रेट परतापगढ़

वादिका स्वीकृति वेजा/1195/02-03

आदेश

27/1/03 श्री राजीव सिंह पिता स्व० विजेन्द्र प्रसाद सिंह ग्राम बसन्तविहार कोतवाली लोहिंग मौ० आज श्री कृष्ण पुरी थाना परतापगढ़ उत्तरा धिकारी के आधार पर निम्नांकित सम्पत्ति पर वादिका स्वीकृति हेतु आवेदन पत्र दाखिल किया है।

मौजा व नाम	ग्रेटीन०	खाता	खसरा	एकरीज
इन्दलपुर	x	939	2303	0.10.57०

मूल आवेदन पत्र हल्का कानूनगो की अपील रिपोर्ट के साथ प्रतिवेदनार्थ दे दी। मौके पर सूचना तामील कराकर आपत्ति की मांग की। आपत्ति के लिए 6-2-03 को उपस्थित रहें।

दिनांक एवं मुहर निम्न
ए० अस्थाना
अपर जिलाधिकारी
परतापगढ़

ए० अस्थाना
अपर जिलाधिकारी
परतापगढ़

6/2/03 मौके पर तामील नोटिस प्राप्त है। कोई आपत्ति पत्र नहीं है। कानूनगो का प्रतिवेदन अपील रिपोर्टर के साक्ष्य में प्राप्त है। दोनों को आवेदक के पक्ष में वादिका स्वीकृति करने की अनुशंसा किये हैं। अतः उनके अनुशंसा के आधार पर वादिका स्वीकृति स्वीकृत किया जाता है।

दिनांक एवं मुहर निम्न
ए० अस्थाना
अपर जिलाधिकारी
परतापगढ़

ए० अस्थाना
अपर जिलाधिकारी
परतापगढ़

05/4/03
लिपि

हस्ताक्षर

प्रमाणित सत्यापी प्रतिलिपि
अजय कुमार 5/4/03



प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारीख Date of application for the copy.	स्टाम्प और चौलियों की अपेक्षित संख्या सूचित करने की तिथि तारीख Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और चौलियों देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	तारीख, जबसे देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant.

दाखिल खारीज में आये प्रतिवेदन

Encl - 4 मौजा - पटना एवं अनुमंडल - पटनासिटी जिला - पटना

दाखिल खारीज केस नं 1195/06-07 मौजा - कंकड़बाग थाना - कुम्हरार थाना नं० 11

किए प्रकार हस्तान्तरित — उपरोक्त चिट्ठी नगाबेरी नं० - 4156,015

पहले से लिखित				दाखिल खारीज
पुराना खेसरा नं० नाम पता	खाता	खेसरा	एरिया	लगान
श्री विरेन्द्र प्रसाद सिंह पिता स्व० राम जनम सिंह पटवा बिहार मोहल्ला कोईरी मोड़, पटना	939	2303	0.10	2.00 रु० आ० पै० आ० पै०

बाद की लिखित				
नया खेसरा नं० नाम पता	नया खाता	नया खेसरा	नया एरिया	लगान
श्री राजीव सिंह पिता स्व० विरेन्द्र प्रसाद सिंह पटवा बिहार मोहल्ला कोईरी मोड़, थाना अशोकनगर पटना	939	2303	0.10	2.00 रु० आ० पै० आ० पै०

मौजा:
आवेदित जमीन की बेची गई से मिलान किया। नगाबेरी नं० 4156 पर आवेदक का नाम है लेकिन दें। आवेदक के पिता की मृत्यु हो गयी है तो खतियानी के अंश निकली है। जमीन बेचने के लिए जमीन पर आवेदक के अलावा अन्य कोई मालिक नहीं है। अतः मालिक पर कोई हस्तक्षेप नहीं है। इसलिए प्रतिवेदन है।

अंचलाधिकारी
पटना

मौजा:
प्रतिवेदन के संग संलग्न है। आवेदन पत्र दाखिल खारीज स्वीकृति दी जा सकती है।

कर्मचारी
अं०
C/-

अंचलाधिकारी
पटना सिटी

05/04/03
लिपिक

अनुमंडल पदाधिकारी



P-2175.

12/7/94 — The twelveth July'94. — 20/7/94 — The twentieth July'94. — 20/7/94. The twentieth July'94. — 8.8.94 Eighth Aug.'94

8/8/94

Non-Judicial Stamp paper Rs. 200-00
Non-Judicial Stamp paper. Rs. 200-00
Non-Judicial Stamp paper. Rs. 10-00

FINAL DECREE IN ORIGINAL SUIT

Suit filed on 13.8.86.

Stamp used for final decree Rs. 410/-

District Hooghly:-

In the 2nd Court of Assistant Dist.Judge,Hooghly.

T.S. No. 86 of 1986.

1. Sri Biswanath Singh S/o- L.Lakhraj Singh residing at village and P.O. Makhla ,Dist Hooghly.

------- Plaintiff.

Versus.

1.Sri Birendra prosad Singh S/o- L.Ram Janam Singh working for gain afx at Pyratings. P.S.Domjur, Dist. Howrah.

2. Sm.Santi Singh W/o- Sri Birendra prosad Singh resid -ing at Basanta Bihar Coloney Boring Road Patna.

3. Sri Rajeev singh S/o- Sri Birendra prosad Singh residing of Basanta Bihar colony Boring Road, Patna.

4. Miss Nupur Singh daughter of Sri Birendra prasad Singh residing at Basanta Bihar Colony Boring Road.

Amended vide order no. 112 dt. 10.6.88.

Advocate for the defendants.

It is ordered that the suit be decreed finally in ~~xxxxx~~ terms and conditions of the solenama filed by the parties without cost. Let at be a part of th the decree. The petitions dt the 27th April 1993 and th the 15th July 1993 are disposed of accordingly The petition dated 27.4.93 will also form part ofthe decree.

Schedule -A.

1) All the lands, buildings hutments, structures, dobas, paths ofthe village Makhla P.O. Makhla, P.S.- Uttarpara Dist. Hooghly where brick- fields of Sree Radha Brick works and Rose Brick works are being carried on the value of which property being Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only.

ii) All the lands, buildings dobas, pathways, hutments, structures of pyrating P.S. Domjur, District Howrah where in the business of the brick field under the name and style of bare Brick Industry in being carried on the valuation of which being Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.

iii) All the lands and buildings belonging to the plaintiff and the defendnt of village Rasulpure, District Chapra.

Filed on 20 Aug.Aug. 1991.

In the court of Second Assistant Dist.Judge,Hooghly.

at chinsurah.

T.S. No. 86/1986.

Plaintiff. Vs. Defendant.

Sri Biswanath Singh and others. Sri Birendra Prosad Singh & ors.

The plaintiffs and the defendants of this suit.

beg to state that :-

1. That the parties ofthis suit, compromised their disputes outside the court, through the intervention of the local respectable persons, and panches.

2. That the parties are no more willing to drag on the suit unnecessarily.

3. That a Solenama is being filed herewith and a decree as per terms and conditions laid down in the solenamas may kindly be passed, and the solenama may pleased tobe ordered to be a part ofthe decree as praye -d for .

It is therefore humbly prayed that a decree as per terms and conditions laid down in the solena- ma may pleased be passed, ordering the said dec: ee.

And for this act of kindness ...

Made a part of the final Decree.

Sd-A.K.Mukherjee.
Asstt.Dist.Judge,
2nd court,Hooghly.
24.1.94.

Filed on 20 August, 1991.

IN THE SECOND COURT OF ASSTT.DIST.JUDGE HOOGHLY.
AT CHINSURAH.

TITLE SUIT NO. 86 of 1986

In the matter of :-

1. Sri Biswanath Singh (After amendment of the plaint the following persons were implicated as party plaintiffs)
2. Smt. Sripati Singh
3. Smt. Purusottam Singh
4. Sri Santosh Singh
5. Smt. Mina Singh

----- Plaintiffs.

v e r s u s.-

1. Sri Birendra Prasad Singh
2. Sri Shanti Singh
3. Sri Rajiv Singh
4. Smt. Nupur Singh.

(After amendment ofthe plaint the following persons were implicated as party defendants)-

5. Smt. Utim Raj Singh.
6. Smt. Jhalak Raj Singh
7. Smt. Serada Singh
8. Miss Leena Singh

..Defendants.

8. Sri Purusottam Singh S/o- Sri Biswanath Singh.
9. Sri Santosh Singh S/o-Sri Biswanath Singh 10.
Smt. Sripati Singh W/o- Sri Biswanath Singh all at present staying at 106 Girish Ghosh Road Belur Howrah. 11. Smt. Meena Sing W/o- Sri D.S.Singh 20

Amended vide order No. 334 dt. 18.9.91.

All the defendants as above have put in their respective L.T.I.S. and signatures on each pages of the left side top P. Corner of the Solanama application (Sick) time to time. Hereof consents after the signature of the plaintiff Biswanath Singh in the capacity as proforma defdt.

Amended vide No. 334 dt. 18.9.91.

inthe plaint.

2. Thus the parties of this suit jointly and severally declare hereby that Late Lakhraj Singh(Father of the plaintiff no. Biswanath Singh) and Late Ramjaman Singh(father ofthe defendant no.1 Birendra Prasad Singh) were brothers and they partitionedxx their small joint inherited properties (fromthe common ancestor late Jagdip Singh) in the year 1924 by mates and bounds. After some years ofthe partition and separation Late Lakhraj Singh died leaving behind him one and half year old son(the plaintiff -Biswanath Singh) and his widow without any substantial support to live on. Thereafter Late Ramjanam Singh was very hard working and lucky enough and he self earned and acquired a lot of properties in the State of Bengal and Bihar out of his own earnings. Being generous Late Ramjanam Singh had given properties to his nephew(Biswanath Singh presently the plaintiff no.1) as per the Award (Punchnama) dated 6.6.75. made by five punches(namely Rajaram Singh, Banaras Singh, Rampadarath Singh, Chandrika Tiwari and Late Jagdom Pd. Singh, which was acted upon as the properties allotted to Biswanath Singh came under his physi-

mended v/o- no.334.
dt. 18.9.91.

heirs and assigns have no right, title and interest of any kind and accordingly the suit against them stands dismissed.

c) Nupur Singh defendant no. 4 and is daughter of defendant no.1 entitled to have shares out of the lands and properties etc. belonging to Birendra Prasad Singh-defendant no.1 end accordingly the suit against them shall stand dismissed.

c/1) Amd. similar (vide) Sing. ..... shall dismissed against defdt No.5, 6, 7. .....

d) The plaintiff ofthis suit jointly and severally admit and declare hereby that they have no right, share and interest in the defendnts, Brick manufecturing business in the name and style of M/s Rose Brick Works, M/s Rose Industries situate in the state of West Bengal. The plaintiff further admit and declare that the partnership business of Brick manufacturing in the name and style of M/s Shree Radha Brick works, between Late Ramjanam Singh(father of defendant no.1) and Sri Biswanath Singh (plaintiff no.1) was dissolved by a proper deed of dissolution dated 15.7.75 .and the plaintiff received his due se-

670(Six hundred seventy' equity share in M/s Wakefield Equipments (I) PVt. Ltd. Patna,which has negative value because of accummulated loss suffered by the said firm. The plaintiff will take necessary steps for transfer of his shares and other interest if any in the said firm to the defendant no.1 (Sri Birendra Prasad Singh) by required instrument under law. i.e. transfering on share Transfer Ferm. If she fails to carry out this term ofthe compromise it will be deemed in law that the plaintiff has no share and any interest in the said firm and further and further neither the plaintiff no.1, norhis heirs or assigns shall have any claim in future.

h) In the residential house situate at village Rasalpure in Saran District (Standing in the name of Birendra Prosad Singh)(defendnt no.1) the plaintiff and his heirs shall have right of residence in the premises on the ground floor and neither he nor his heirs will have any objection whatsoever to th defendants and their heirs and assigns using the stair c in southern verandah in the Agan and tothe use of the Agan itself as well as the stair case in the

Paragraph (I) & J. is missing

Schedule-I- Plaintiff
Schedule-II
Defendant no-1

liberty to take steps for entry of the names in these records of the ~~xxxxx~~ state of Bihar or to take steps as needed.

k) The properties detailed and described in schedule 1, shall hence after be, for all times considered as sole properties ofthe plaintiff, owned in Rs.1/- sixteen annas interest, having proper right, title over it/those by virtue ofthis compromise likewise properties described in schedule 2 hence after be considefed as the sole properties ofthe defendant no.1 having right, title and Rs. 1/- sixteen ~~xxx~~ annas interest on it.

l) The ~~xxxxxxx~~ parties ofthe suit jointly admit and declare that other properties which are not specifically mentioned in the compromise petition or in schedules appended wholly and fully belong to those persons either plaintiff or defendants in whose name the properties stand. No other person neither plaintiff co-defendants willhave any right, interest or claim on such properties in future.

Amended u/o 330 dt. 3.10.94.

Amended w/o-no. 334 dt. 18.9.91

m) That besides present suit there are other misc. proceedings in civil courts at chinsurah or Criminal court at Shrerampur or

Amended w/or no.336
Dt. 3.10.91.

plaintiff is the Karta of his family. The present compromise ofthe suit is in the best interest of his family. The plaintiff being in full sense and having considered the loss and gain in fighting litigation is entering in the compromise without any influsnee and coercion from any corner. That the cost ofthe suit will be borne by the parties to this suit and none ofthe parties will get any costs, whatsoever.

q) That this compromise/Solenama may be registered by any of t e willing party at his/her costs or jointly by the willing parties at their own respective costs, as the case may be.

It is, therefore prayed that your Honour may be graciously pleased to record the compromise and didpose ofthe suit in terms these ofand further direct the compromise petition to form part of the decree

OR.

Pass such order or further orders as may be deemed fit andproper.

For this act of kindness, the plaintiff and the defendant no.1

sl. no	Mouza	Thana no	Khata. no	Khasra no	Touji no	Area B.K.D.
18	do	495	543	1652	1816	0-10-0
19.	Chanda	492	18.	86	1796	0-8-12.
20.	do	492	3	113	1796	1-9-9
21.	do	492	18	86	1796	0.11-11.
22.	do	492	3	114	1796	1-12-16
23.	do	492	276, 28, 29, 30, 32, 36, 37 & 38.		1815	1-7-13
24.	Kasalpura	498	14	465	1814	0-0-11.

(B) Properties situate in the district of MADHUBANI (OLD DARBHANGA) BIHAR.

K.	NAVTOT	109	502	3191	6424	1-5-0
.	do	109	207	2880		2-14-17.

(C) Property situate in mouza Uttarpara Dist.Hooghly,"est Bengal.

Approx 4(four) decimals ofland out of plot no. 124 under Khatian no. 19 of J.L.No.12,having area and location noted below.

Plot	Area in decimals	Boundary/Location
a portion of plot no.124	0.04 or area in sq.ft = 1620sft i.e. "est to East on the northern side-28' on southern side 22' ft North to south= 64'	North- C.S.Dag No. -127/6001 West plot no. 121 & Road. East-Remaining portion of the plot no. 124 South " "

SCHEDULE -2.

(c) Properties situated in the district of Saran(Chapra) in Bihar.

Mouza	Thana no	Khata no	Khesra no	Touza no	Area in B.K.D.
1.	Phulchak	499 268	26	1815	0-4-3.
2.	Dharmapura	305 100	217	1804	0-6-84
3.	do	305 326 334 364 11	260, 261 262	1814/1815	0-19-7
4.	do	305	403	1814/1796	0-11-11
5.	do	305 230	...	1796	0-5-13.
6.	do	305 409	---	1796	0-2-8
7.	do.	305 96	Surveyno 513	1796	0-10-0
8.	do	305 127	467	1814/1794	1-09-01
9.	do	497 96	Surva no 514	3068/1796	0-5-0
10.	do	305 72	1049	1796	0-3-10
11.	Jilkabad	495 542	328	8344/1816	1-1-10
12.	Chanda	492 146	49	1814	3-4-6.
13.	Kajipur	614 6	Jamabandi no.11.	8075	0-17-15
14.	Jagdispur	508 19	33	6990	0-14-8.
15.	do	508 277	32	8354	0-14-10
16.	do	508 261	1	1816	1-7-3
17.	Hasanpura	516 20	38	1814/1815	0-19-13.
18.	Rasalpura	498 21&40	503, 504	1814/1815	0-0-11½

(D) Properties situated in the district of Old DARBHANGA (Now District Madhubani) in Bihar.

V E R I F I C A T I O N.

I, Shri Birendra Prosad Singh ,one of the defendan-ts of this suit, for self and for all other defendants doth here by declare that the statements made herein this application for compromise, are all true and as a token of acceptance I put my hand unto this verification sitting at my learned Lawyer's chamber at Imambazar lane,Hooghly on 20th day of August 1991 at about 10 am.

Sd. Birendra Prosad Singh.

Duly verified
Sd- Illegible.
Advocate for the defendant
20.8.91

Typed by me,
Sd- Illegible
Typist.

Typed by:-
MK
8/8/54

Made a part of the final decree
Sd-A.K.Mukherjee
Asstt.Dist.Judge
2nd court,Hooghly.
24.1.94.

own accord and as grace of mercy your defendants alloted some properties from their own favouring the plaintiffs hereof to restore peace.

5. That as the suit was badly framed and the schedule whereof was vague, in compromise application some foreign properties, apart from the parties mentioned in the schedule thereof, were incorporated and accordingly in compromise application two schedules showing their respective allotment were made and/or described.

6. That needless to be mentioned herein that the plaintiffs were duly admitted the respective right title and interest to the properties of the other defendants, which propertiesin foul intention put into joint hotpotch in the schedule of the plaint, this major portion ofthe properties valued at Rs.----- 5,000/- from the schedule properties described in the plaint were excluded from the suit properties, fully set forth in the schedule ~~xx~~ A of the compromise application.

7. That origi nally the suit was valued at Rs. 65,000-00(Rupees sixty five thousand) only.

in the schedule of the compromise application.
And for this act of kindness Your petitioner as in duty bound shall ever pray.

v e r i f a c a t i o n.

I, Sri Birendra nath Singh, defendant, do hereby declare that the statements ~~xxx~~ made hereinabove, in this application are all true, and as a token of acceptance ofthe contents hereof I put my hand uto this verification on this 27th day of Aprail 1993, sitting at my residence at about 8-30-a.m.

Sd- Birendra Prosad Singh.

Duly verified
by
Sd- Illegible.
Adv.

Typed by
Sd- Prasanta Kr.De.
Typist, ChinsurahCourt,

Typed by:-

~~xxxxx~~ defendant.

C) Property situated in this Dist.of Saren Valued at.. Rs. 3,500-00

D) Property situated in the District darbhaga. Valued at... Rs. 1,500-00

Total- Rs. 50,000-00

Valuation o the Property shown in the schedule- I of the compromise application being given to the Biswanth Singh.

A) Property situated in the Dist. of Saren being ½ ofthe total valued of Rs. 7,000/- Rs. 3,500-00

B) Property in the District Madhubani, Bihar..Valued at... Rs. 2,000-00

C) Approx 4. decimals of land out of plot no. 124 under Khatian no 19 of J.L.No. 12,of Mouza-Uttarpara, Dist.Hooghly. valued at. Rs. 4,500-00

Rs. 10,000-00

_____o_____

Typed by:-

Compared and found to be a true copy and correctly stamped

Comparing Clerk

8/8/94 Hooghly (Sadar)

Certified to be a true copy

Sheristadar, 8/8/94

Munsif's 1st/2nd Court, Hooghly.

Applicant's Exhibit no 16 of the dated of 1994

५०० रु. Rs 500

भारत

पाँच सौ रूपया FIVE HUNDRED RUPEES

(1)

१ नाम वादीगण :- रामदास साह वल्द श्री शिव साह वो अशोक किशोर प्रसाद वल्द राम दास साह बकौलियत खुद वो बकौलियत पेदा वो बली हरस्वाह जगदानन्द, सुनाथ, चन्द्र, सुरेश प्रसाद, गुलटेन प्रसाद पेशगान वाकालिगान खुद वो राये श्याम साह वो सुखदेव प्रसाद साह वो रामलाल प्रसादवो बल्देव राम दास साह वो सूक साकिनान पाँवे कुम्हार प्रगाना बजियावाद थाना सुल्तानगंज जिला पटना जात रौनियार पेशा काश्तकारी वो पलाजनी ।

२ नाम वादीगण :- श्री विरेन्द्र प्रसाद सिंह वल्द श्री राम जतन सिंह जिविल साकिन पाँवे रसलपुरा थाना कपरा जुकलिल जिला सारन जात राजपूत पेशा खेती वो नौकरी ।

३ खिलाफ बशीका :- केवाला वैनामाकारी ।



४ सायदाद का सम्पत्ति:- रो० ३०,०००)(तीस हजार रुपया मात्र)

५ तफसील से बोधया:- यानी ~~अ~~ डिसमिल कास्त रैयती बागवी पेंड

का दरख्तान ~~आम~~ वो अमरूद वो बाग का २२ पेड़,

अमरूद, ~~आम~~, अमरूद, बड़हल बेल बगैरह जो पी उस

जमीन में लगा है बाके पौधा चहुंकी अब रखे सम्पत्ति-

पुर परगना बजियाबाद थाना सुलतानगंज वो सब वो

सदर रजिस्ट्री जिला पटना अन्दर तौजी नम्बर ~~४२~~

~~अ~~ लालराज जिसका थाना नं० ११ वो ताता नं०

६३२ खारा नं० २२६६ एराजी ~~४८~~ (अड़तालीस)

डिसमिल बजविदारी बिहार सरकार जिसकी मालगुजारी सालाना रो० ५-३५ ह० है और चौहद्दी हुस्बेल है।

उत्तर
नाला तब सरकारी
तब बांध

प०
नाला २२०१
तब प्लॉट नं० २२०३
जो बाग हो थी
विश्वनाथ प्र० के साथ
बैय किया जाता है।

प्लॉट नं० २२०१
नाला जो २२००

प०
सुक नाला, ताता जो घेरो
प्लॉट नं० २२६७, २२६८



अदालत के वास्ते मुन्दर्जे जाबता नं० ५ बखिलाफ जाबता को मनसीकिम नं० १ ने वसकूल दिगर राजी के अपने तरफ से व वसकूल बकाया को लेते फरिकैन हक से बखरिए बखिला बैआकलामी कर दुआ ता० १५ सितम्बर १९७१ खरीद किया था को बाद खरीदारी मनसीकिम नं० १ वगैरियत पाठिक दुस्तखित काबिज दखिल बेदा बात है और नाव मनसीकिम नं० १ का मुन्दर्जे सिरिस्ता सरकार है और पाठगुजारी उसकी मनसीकिम नं० १ अदा करके रसीद लिया करता है और वास्ते वसकूल जाब हासिल करने मनसीकिम नं० १ को है और उसके दिगर मोकरान को कोई वास्ता को सरोकार नहीं है। इलावाल मनसीकिम नं० १ को अदालत रुपए की वास्ते अदाय रेहन दाराज को पहाजनाव को दिगर कारियात के अलद है और मनसीकिम नं० १ से सालान रुपये का गैर मुतहर्रिक मिल्क जब दाद अपने को नहीं सकता है इसलिए मनसीकिम नं० १ ने यह राय कायम किया के राजी मुन्दरजे जाबता नं० १ बखिला जाबता को साथ किसी के बेच कर उसकी मिलत से रेहनदाराज को पहाजनाव को अदा करके बाकी से बेबाकी हासिल करके मनसीकिम मोकिल से बात चीत किस्वत बिक्री जायदाद वसकूल हुई और ३०,००० तीस हजार रुपये किस्त बदरिया मनसीकिम को मोकिल तय पा गया। बनाबिर मनसीकिम नं० १ बजा-अत सैल बात को सबात अदालत को व दुरुस्ती तोड़ जबात अपने बखूबी तक्ता



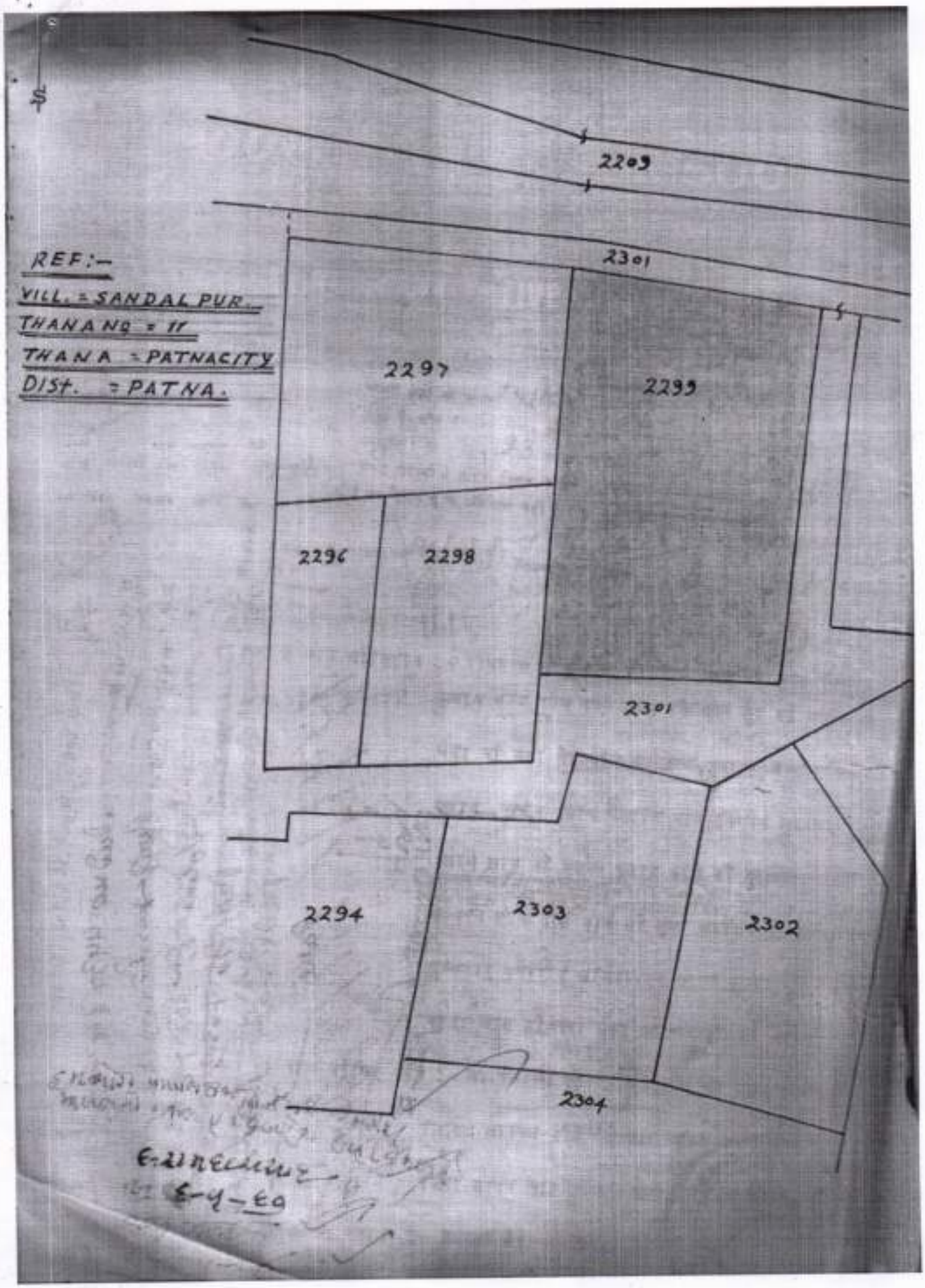
नफा वो नोकसान हाल वो आईन्दह को अपने वक्त मुद्दत पर अर्जा हकियत काश्त रैयती कायमी नकदी जिसकी तफसील उपर खाना नं० ५ में दी गई है और जिसपर नक्शौकिर नं० १ बेला चिह्नित किसी दूसरे के काबिज दखिल बहैसियत पालिक पुस्तकिल चला आता है उसको मैं जुबले हक वो कब्जः व दस्त मौकिर कर्ता को वीरेन्द्र प्रसाद सिंह पुत्रान नं० २ बशिका खाजा व किमत रो० ३०,००० तीस हजार रुपया बैना वो बैला-खाती किया और मौकिलेह को बाद के तारीख से बजाय अपने पालिक पुस्तकिल मदाखिल वो कुल वा सब्जन खरीददार मौजूफ से इस तौर पर वसूल पाया वो रो० ११०१) रुपया बतौर बैनामा मौकिर कर्ता से कब्ल वसूल पा चुके हैं वो बकिए रो० रु०८६) अठाइस हजार आठ सौ नौरानवे रुपया व वक्त इकरार खरीददार मौजूफ से निज्द सब रजिस्ट्रार वसूल पाया । इस रकम का तमाम वो कमाल वा सब्जन नक्शौकिर को वसूल हो गया है । दिगर मौकिरान वा मौकिर नं० १ के बेटे और पोते हैं और सबै उन लोगों को काश्त से मौकैया से कोई वास्ता सरोकार नहीं है फिर भी मुझे किले मौकदमा बटवारा नं० ७५ सन १९६२ बखलाफ सबजन १ पटना चल रहा है जिसमें एक जब पेशरात की बुध मौका हाल ने काबिज मौका बैनाम तकरीरी में से मौकैया को भी जायदाद जानदान इजलासी होना बैनाम किया है और उसको भी बटवारा तलब जायदाद में जोड़ने की



कोड़ने की इस्तदोजा की है इसलिए बगरज तसफ़ी खरीददार के लिए पोकारा भी शरीक इकरार बखिला खासा होते हैं और इकरार करते हैं के उनको से पोवैया में कोई हक्मित खासिल नहीं है और अगर जिन्द अदालत यह साबित हो के जैपोवैया भी जायदाद खानदान इजमाल है और पोकारा का उसमें हक़ जो हिस्सा पाया या सकता जाय तो वह सब कुछ हक़ जो हक़ूक या पोकारा जो पापोकिरान को खासिल है या जो बाइन्दे खासिल हो या सकता जाय वह सब पापोकारान से तुलखिल हो कर पोकिर क्रोक को जाय को की तारीख से खासिल हुआ जो बाइन्दा खासिल होता रहेगा और बाद तामीली बहीका बैनाकापी हाजा वह पापोकिरान को है पोवैया से कोई वास्ता जो सरोकार न रहा जो न किसी तरह बाईन्दे होगा जो पां पोकारान ने खरीदार मौसूफ को यकीन दिलाया है वे है पोवैया हर तरह के बारदेन जो तुक्त हक्मित से पाक जो साफ है। अगर खेलाफ इसके कोई देन पाया जाय या कोई तुक्त हक्मित पाई जाय जिस बजह कर खरीददार मौसूफ को कुल जो कुल से पोवैया से बेदखल होना पड़े तो उन सब सूरतों में खरीददार मौसूफ को बखियार खासिल है जो होगा के कुल या सब्मत या बक्दर बेदखली या बाक्दर देन बदा करेगी खरीददार मौसूफ में कर्जा जो लर्जा पा पोकिरान जो बारसान या एक पोकाकिरान पो पोकिरान से वसूल जो दे बाक़ का लेवे। इसमें पा पोकारान जो बारसान या एक पोकाकिरान को कोई उज्रूं जो एतराज न है और न होगा और नाव अपना जिन्द खिरिस्ता सरकार से एतराज नाव मंजूरीकर कर दिया लेवे जो बक्त

उक्त बयोका खरीदगी वो रवीद निस्बत जमीन मजकूर निस्बत है पोथैया बनवोकि
ने अपने खरीददार वो वीरेन्द्र प्रसाद सिंह सौंपुफ कर दिया । इसलिए यह बयोका
वैलाखतामी व वसूल तमाम वो कमाल जा सम्मन के लिख दिया कि वस्त करत के
काम आवै ।

टंकक, 9E/4/E0


2209
2301
REF:-
VILL. = SANDAL PUR.
THANA NO = 11
THANA = PATNACITY
DIST. = PATNA.
2297
2299
2296
2298
2301
2294
2303
2302
2304



१ नाम मोकिरान :- श्री दास लखा बल्द श्री शिव शाह वो

वो दुलकिशोर प्रसाद बल्द रामदास सा

वर्तमियत खुद वो वर्तमियत फेहर वो बली

रत्याल दयानन्द, सुनाथ चन्द्र, सुरेश

प्रसाद, गुलेन प्रसाद, जेहरान नवाकिशान

खुद वो राजेश्वर शाह वो सुखदेव प्रसाद शा

वो रामलाल प्रसाद बलदान राजेश्वर शाह

वो सुक साकिनान मौजे हुमरार थाना

अजियावाद थाना सुलतान गंज जिला पटना

हाल रोशनगर पेशा दाइलकारी वो व्यापार ।

२ नाम मोकिर जोह:- श्री विश्वनाथ सिंह बल्द स्वर्गीय श्री लखराव

सिंह मौजे रसलपुरा थाना कदरा जुकसिल



जिला सारन बात राजपुत पेशा खेती वो नौकरी ।

३ किस्म वस्तिका :- कैवाला वैलाकलाभी ।

४ तायदाद बरसपन:- वो० २०,००० बीस हजार रुपया मात्र

५ तफसील से पैरोंया:- मवाजि ३५ हिसमील कास्त खेती कायमी

मैं दरतखान ठाकुर वो खजुर वो खान का

पेड २३, अमरुद —— इत्यादि वैगरी पेड है

वह सब सपेत वारे पैजा वनुकी अब कवे

खदलपुर परगना वजियावाद थाना सुल्तानगंज

वो सब वो सदर रजिस्ट्री जिला पटना अन्दर

तौजी नम्बर ४२ (८) लावराव जिसका

थाना न० ११ वो खाता न० ६३६ खसरा न०

२३०३ रकवी ३५ वैगरी हिसमील वो वकियारी

विहार सरकार जिसकी मालगुजारी सलाना



सलाना पै० ५·२५ फ़ ० है बेार मौलवी इस्वबेल हैसियत

उ० द० पू० प०

नाली २३०१ बड़ी पक्का चरन पक्का तिलू पक्का

तक लौट २२६६६ प्लौट न० २३०४ प्लौट न० २३०२ प्लौट न० २२६४

अंवा से कास्त मुन्दरे खाता न० ५ वसिका हाजा को पनबोकिरि न० १ ने वसूल दिगर रुपयों से अपने हकीम अब्दुल वहाब वेा शेख फरीदुल हक से बवरिए वकीला वेलाकलानी कर दुवा ता० १५ दिसम्बर १९३१ खरीद किया था वेा बाद खरीदारी पनेबोरोर न० १ जवेहिस्सा मालिक मुस्तकिल काबिज दाखिल चला आता है बेार बोंवे पन बेाकरीर न० १ का मुन्दरे सिरिस्ता सरकार है बेार मालगुजारी उसकी पनबेाकिर न० १ अदा करते रहेाह लिया करता है बेार कास्त मजकूर खास दाखिल अदेगी पनबेाकिर न० १ का है बेार उससे दिगर बेाकरान का कोई वास्ता वेा सरोकार नहीं है। इस वास्ते पनबेाकिर न० १ का बजरत रुपये का वास्ते अदाय रेहन दरान वेा बहालतान



वो दिगर जरूरियात के वास्ते है और पस मेाकिर न० १ ने सामान रूपये का और चुनांचि फिर बाय दाद अपने हो नहीं सकता है इसलिए पस मेाकिर न० १ ने यह राय कायम किया के इरादी मनसूजे खाता न० ५ बखिला दावा को साथ किसी के बेचकर उसकी कियत से रेहनदारान वो पट्टावनान को अदाकरके कर्ज से अपनी नजात करा दूं चुनांचे मेाकिर अलेह से व बातचीत मिस्वात किट्टी जयदाद मजहूर खुद और मेावसिल २०,००० बीस हजार रूपया किमत व दरमियान मनमेाकिर वो मेाकिर अलेह तय पा गया। बनाबिर मनमेाकिर न० १ वकालत सेहतवात वो नजात अकल वो व दुरुस्तगी हेासेाकवास अपने खुदी नफा वो नुकसान हाल वो आइन्दह को अपने सबक बुक कर अर्जा हकियत काइल रैयती कायमी नक्दी जिसकी तफसील ऊपर खाता न० ५ में दी गयी है और जिस पर मनमेाकिर न० १ वेला शिफ्ती किसी दूसरे के काबिज दाखिल अब हैसियत मालिक पुस्तकिल बला बाता है उसको मैं सुपुर्द कर वो खुद वो दस्त मेाकिर अलेह मुन्दरेज खाता न० २ बखिला

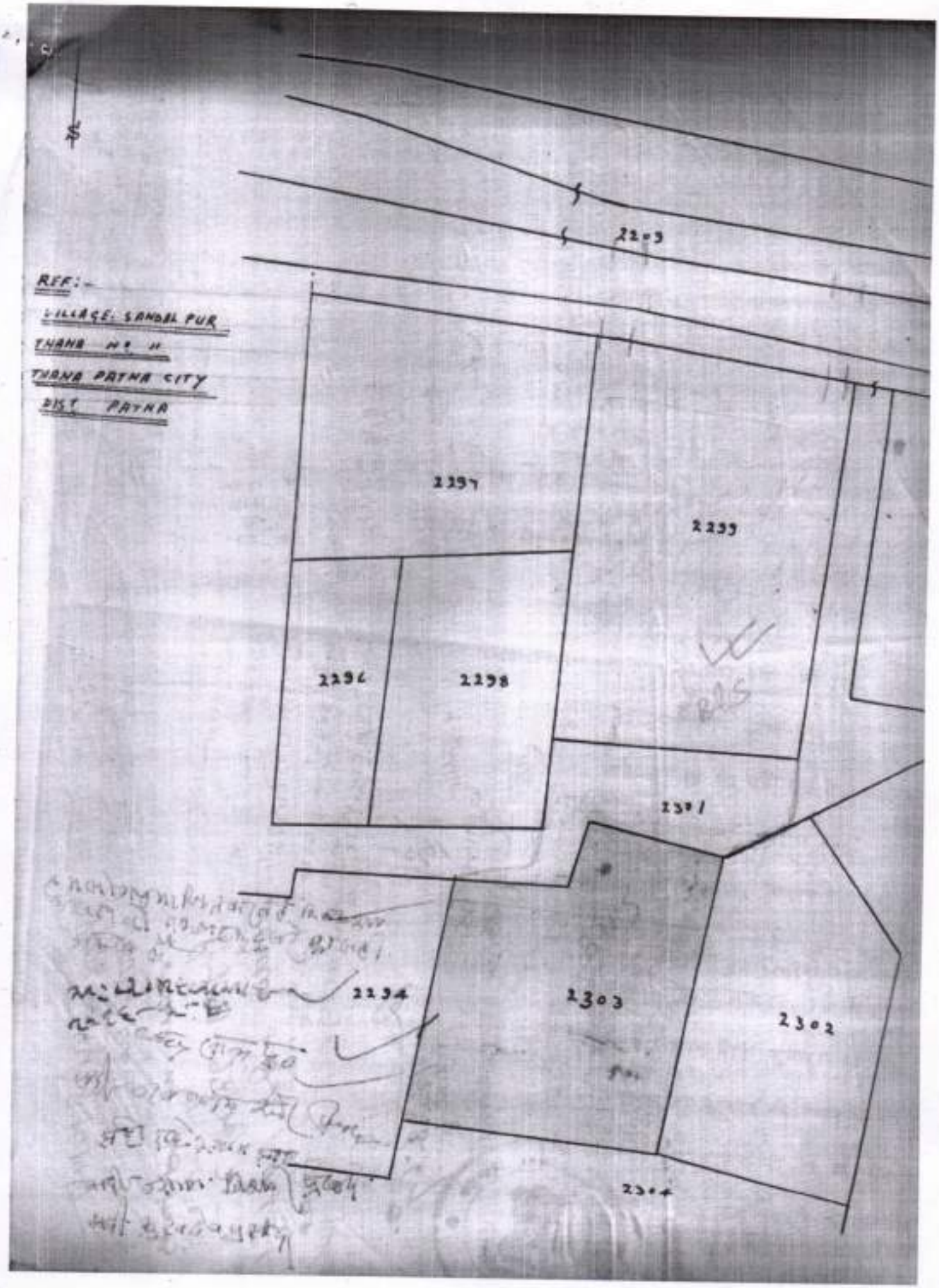
बाबत ₹ मिलत मो० २०,००० बीस हजार रुपया मेरा मो
बेलाकलामी किया और मोकिलेह को आज के तारीख से कवाय
अपने मालिक मुस्तकिल मदीना मो कुल जर सम्मन खरीददार
मौसूफ से इस तौर पर वसूल पाया मो० ११०१८० वतौर है आना
बाकि अलेह से कवल वसूल पा चुके हैं जो बकिर मो० १८,८६६
अठारह हजार आठ सौ नीनानवे रूपया मो बक्त इकरार खरीदार
मौसूफ से निम्न सब रजिस्ट्रार वसूल पाया। इस रू० का तवान
मो कबाल जर सम्मन बनमोकिल को वसूल होगया। दिगर मोकिलान
बन मोकिल न० १ के बेटे और पोते हैं जिन्हें उन लोगों को
कास्त से मोवख्वा से कोई वास्ता सरोकार नहीं है फिर भी
चूंकि किते मुकदमा वटवारा न० ७६ सन १९६२ बहलाश सब जज
१ पटना चल रहा है जिसमें एक जज फैसलान श्री बृजमोहन लाल ने
हाजिर होकर बयान तहरीर में से मोकेया को भी जयदाद बनकान
इबराइली होना बयान किया है और उसको भी वटवारा तलब
जयदाद में जोड़ने की इस्तदोजा की है इसलिए बगरज तसफी खरीद
के दिगर मोकिलान भी शरीक इकरार वलीका लाजा होते हैं और इस
इकरार करते हैं के उनको से मोकेया में कोई हक्कियत हासिल नहीं है
और अगर निम्न अदालत यह साबित हो मोमोकेया भी
जयदाद बालकान इबराइल है और मोकिलान का उसमें हक मो
हिस्सा पाया या सबका जाय तो यह सब कुल हक मे हकूक का
मोकिलान जो मामोकिलान को हासिल है या जो आइन्दे हासिल
हो कर मोकिल अलेह को आज की तारिख से हासिल हुआ जो
आइन्दा हासिल होता रहेगा और बाद तामिली बहोका बेदखली

अक्षर ₹ - अक्षरों बाद लिखे
अक्षर - २ काटे गये
१३/२/६७

Written by Mahendra Singh
Chandmari Road
Patna 1
13/2/67

बेलाकलामी हाजा अब पनमोकरान कोई मोकैया से कोई वा
वेः सरोकार नही रहा वेा न किसी तरह आइन्दे होगा। ६
मोरान ने खरिदार मोसुफ को यकिन दिलाया है वेा से मोकै
हर बारह के बारदेन वेा मुकल हकियत से पाक वेा साफ है। अगर
सेलाक इसके कोई देन पाया जाय यो कोई मुकल हकियत पाइ जाय
जिस वक्त कर खरीददार मासुफ को मुल वेा कुल से मोकैया
से बेदखल होना पड़े तो उन सब सुरतों में खरीददार मोसुफ को
अखतियार हासिल है वेा होगा वे कुल जर सम्मन या कदर बेदखली
या कदार देन अदा करेगी खरीददार मोसुफ में हमी वेा सही
या- मोकरान वेा बरसात का एक मोकाफियान वेा मोकिरान से
वसुल वेा वे बाक कर लेवें। इसमे या मोकरान वेा बरसात का एक
मोकाफियान को कोई उजुर वेा एतराज न है और न होगा और
नाम अपना निज सिरिस्ता साकार के एखराज नाम पनमोकिर
दर्ज करा लेवें वेा असल बसीका खरीदगी वेा रसीद निस्वत जमीन
मजदूर निस्वत से मोकैया पनमोकिर ने हवाले खरीददार श्री
विश्वनाथ सिंह मोसुफ को कर दिया। इसलिए यह बसीका
बेलाकलामी वेा वसुल तमाम वेा कनाल जर- सम्मन के लिख दिया
के वक्त पर काम आवे।

Typed by
Kanhaiya Singh


2205
REF:-
VILLAGE: SANDAL PUR
THANA No 11
THANA PATNA CITY
DIST PATNA
2297
2299
2296
2298
2301
2294
2303
2302
2304



Date of application for the copy	Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	Date of delivery of the requisite stamps and folios	Date on which the copy was ready for delivery.	Date of making over the copy to the applicant.
4/3/2015			9/4/2015	9/4/2015



Date of application for the copy	Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios	Date of delivery of the requisite stamps and folios	Date on which the copy was ready for delivery.	Date of making over the copy to the applicant.
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

प्रमाणित प्रति



प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारीख Date of application for the copy.	स्टाम्प और फोलियो की अपेक्षित संख्या सूचित करने की निश्चित तारीख Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और फोलियो देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	तारीख, जबकि देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant.
29/3/03			2/4/03	2/4/03

पारिवारिक न्यायालय का अन्तिम प्रतिवेदन

इलका-4 अंचल पटना सदर अनुमंडल पटना सिटी जिला-पटना

पारिवार न्यायालय वाद x 1195/02-03 मैसर्स हेडलाइट आदि - बनाम-जेड एण्ड एच

किस प्रकार दस्तावेज - अन्तरवित्तीय / अभावंदी रु०-416.15

पहले की होल्डिंग				अभिपुष्टियां
पुराने पेमास्टर का नाम पता	खाता	खेसरा	रकबा	लगान
श्री विरेन्द्र प्रताप सिंह पिता स्व राजा जगत सिंह व अन्यान्य के हक्की लोगों पटना	939 932	2303 2299	0.10 0.48	2-00 5-00

बदली होल्डिंग				
नये पेमास्टर का नाम व पता	खाता	खेसरा	रकबा	लगान
श्री अजीत सिंह पिता स्व विरेन्द्र प्रताप सिंह व अन्य जिमदारान मौजा जेड, थाना मोकामा पटना	939 932	2303 2299	0.10 0.48	2-00 5-00

अभिपुष्टियां

अंश-1

आवेदित अभीष्ट की पेजी प्रतिलिपि
किया / अभावंदी रु० 416.15 आवेदक द्वारा
पिता देवाय से अधिक है / आवेदक द्वारा
की गयी त्रुटि को सम्यक रूप से उपरा-
चिन्हित है / अभीष्ट प्रमाण में रखा अभीष्ट
पर आवेदक का दखल कब्जा है
अतः अग्र समस्त पर गौरतलब कार्यवाही
यदि किसी को अपनी न हो तो न्यायालय
लिखा जा सकता है / दि० 25/11/03

अंश-2

प्रतिवेदन देने में सहमत हूँ / आवश्यक कार्यवाही
हेतु पत्रावली पेश की जा सकती है

VDS
25/11
AA

कर्मचारी
25/11/03

प्रमाणित सच्ची प्रतिलिपि
आज्ञा दि० 2-4-03
2-4-03

2/4/03
लिपिक

जजकोर्ट



प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारिख Date of application for the copy.	स्टाम्प और फीसों की अपेक्षित संख्या सूचित करने की तिथि Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और फीसों देने की तारिख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	तारिख, जबकि देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारिख Date of making over the copy to the applicant.
Cmn 2729				
25/3/03			2/4/03	2/4/03

न्यायालय अंचल अधिकारी सदर
पारिवारिक वार्षिक केस नं. 1195/02-03

आदेश

22/11/03 श्री राजेन्द्र सिंह पिता स्व० विरेन्द्र प्रसाद सिंह ग्राम-पत्रा थाना-बिहार कौलनी मोहल्ला मोज पत्रा, अपने कुटुम्ब पूरी जिला-पत्रा उपलब्धियों के आधार पर निम्नांकित अचल पर पारिवारिक वार्षिक देनु आवेदन पत्र दाखिल किया है

मौजा का नाम	हल्का	खसरा	एरिया
पंडलपुर	X	939	2303	0.10 डि०
		932	2299	0.48 डि०

मूल आवेदन पत्र एवं कर्मचारी के अंचल निरीक्षण के माध्यम से प्रतिवेदन देनु दे दो माह्य पर सूचना जारीकर आगामी की मांग करें। अभिलेख दिनांक 6-2-03 को उपस्थित करें

दिनांक हस्ताक्षर
अंचल अधिकारी

ह० अस्पष्ट
अंचल अधिकारी
पत्रा सदर

6/2/03 समाह्न पर तामिला नोटिस प्राप्त है। कोई आपत्ति प्राप्त नहीं है। कर्मचारी के प्रतिवेदन अंचल निरीक्षक के माध्यम से प्राप्त है। पुनर्लोगों ने आवेदन के नाम पारिवारिक वार्षिक करने की अनुशंसा किये हैं। जानकारी उनके अनुशंसा के आधार पर पारिवारिक वार्षिक स्वीकृत किया जाता है।

दिनांक हस्ताक्षर
अंचल अधिकारी

ह० अस्पष्ट
अंचल अधिकारी
पत्रा सदर

लिपिक

प्रमाणित सत्यापी प्रतिलिपि
दिनांक 6/2/03 दिनांक 6/2/03
हस्ताक्षर
रुपये के पत्र में 42 पृष्ठ 170 दिनांक
[illegible]

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग,बिहार

सरकार

प्रपत्र-XIV ख

(देखें नियम-10)

लगान रसीद

बिहार भूमि

ऑनलाइन

Running Unique No.: **20052305585185194410**
(Receipt No.)

जिला:- **Patna**	अंचल:- **Patna Sadar**
हल्का:- **Bankipur**	मौजा :- **संदलपुर**
जमाबंदी सं0:- **2975/1** भाग वर्तमान:- **27** पृष्ठ संख्या:- **7749**	मौजा/थाना सं0:- **2/11**
जमाबंदी रेयत का नाम:- **RAJIV SINGH** अभिभावक का नाम:- **LATE BIRENDRA PRASAD SINGH**	पता:- **KRIHSHNAPUR PATNA ,**

खाता संख्या	खेसरा संख्या	रकबा/डिसमिल
932	2299	0 एकड़ 0.48 डिसमील 0 हेक्टर

सालाना मांग(बकाया और वर्तमान) चालू वितीय वर्ष का

वितीय वर्ष	सालाना दर	बकाया	वर्तमान	सूद	कुल	अभियुक्ति(बकाया का वर्ष कब से कब तक)
जमाबंदी लगान	10.00	30.00	10.00	0.00	40.00	2020-2021 से 2023-2024
सेस(लगान का 50 प्रतिशत स्वास्थ्य सेस, 50 प्रतिशत शिक्षा सेस, 25 प्रतिशत रोड सेस एवं 20 प्रतिशत कृषि सेस)	14.50	43.50	14.50	0.00	60.00	2020-2021 से 2023-2024
कुल	24.50	73.50	24.50	0.00	100.00	2020-2021 से 2023-2024

वसूली

वितीय वर्ष	बकाया के विरुद्ध वसूली	वर्तमान मांग के विरुद्ध कुल वसूली	कुल वसूली	अवशेष राशि(बकाया का वर्ष कब से कब तक)	अभियुक्ति
लगान	30.00	10.00	40.00	2020-2021 से 2023-2024	
सेस(लगान का 50 प्रतिशत स्वास्थ्य सेस, 50 प्रतिशत शिक्षा सेस, 25 प्रतिशत रोड सेस एवं 20 प्रतिशत कृषि सेस)	43.50	14.50	60.00	2020-2021 से 2023-2024	
कुल	73.50	24.50	100.00	2020-2021 से 2023-2024	

कुल बकाया-100.00

वसूल की गयी राशि शब्दों में- One Hundred Rupees

तिथि- **20-05-2023**

Without Prejudice



यह एक कम्पयुटर जनित प्रति है।
किसी भी प्रकार की अशुद्धियों के लिए सम्बन्धित अंचलाधिकारी से संपर्क करें।